



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 224]
No. 224]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 30, 1996/पौष 9, 1918
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 30, 1996/PAUSA 9, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1996

प्रारम्भिक जांच परिणाम

—जर्मनी और कोरिया गणराज्य मूल के या वहां से निर्यातित एन. बी. आर. के आयामों से संबंधित प्रति-पाटन जांच-प्रारम्भिक जांच-परिणाम।

.१. ९/१/१९५-ए. डी. डी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर गुल्क की पहचान, आकलन और वसूली एवं क्षति का निर्धारण) नियम, 1995 को देखते हुए—

क. प्रक्रिया

2. नीचे बताई गई प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (i) उपर्युक्त नियमों के अन्तर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके बाद प्राधिकारी के रूप में उल्लेख किया जाएगा) को मैसर्स गुजरात अपर पालीमर्स लिमि. मुम्बई से घरेलू उद्योग की ओर से फेजल रिपब्लिक आफ जर्मनी और रिपब्लिक आफ कोरिया (इसके बाद क्रमशः जर्मनी और कोरिया के रूप में उल्लेख किया जाएगा) से उद्गम वाले या वहां से निर्यातित एन. बी. आर. के कथितपाटन का आरोप लगाते हुए लिखित अनुरोध प्राप्त हुए।
- (ii) ऊपर के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जॉच की शुरूआत करने के पहले प्राधिकारी ने यांचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में जर्मनी और कोरिया के दूतावास को सूचित किया।
- (iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के शीर्षक 4002.59 और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित पण्य विवरण और कोडिंग व्यवस्था पर आधारित) की सं. 4002.59.00 के अन्तर्गत वर्गीकृत जर्मनी और कोरिया मूल के या वहां से निर्यात किए गए एन. बी. आर. के आयामों के संबंध में प्रतिपाटन कार्यवाही शुरू करने वालों सार्वजनिक अधिसूचना दिनांक 15 मार्च, 1995 को भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित कराई और जारी की।

१७४ प्राधिकारी ने ज्ञात नियतिकों, आयतकों, औद्योगिक संघों और शिकायतकर्ताओं को सर्वजनिक सूचना की प्रतिलिपि अप्रेषित की और लिखित रूप में अपना विचार व्यक्त करने और मौखिक सुनवाई का निवेदन करने का उन्हें अवसर दिया ।

१७५ ऊपर के नियम 6 के उप नियम ३ के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात नियतिकों और जर्मनी और कोरिया के दूतावास को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई । आयतकों को भी याचिका की प्रति अनुरोध के अनुसार दी गई ।

१७६ प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए निम्नोक्त नियतिकों को प्रश्नावली भेजी :

- कोरिया कुम्हो पैट्रोकेमिकल कम्पनी लिमि०, कोरिया;
- कुम्हो पण्ड कम्पनी, कोरिया;
- बेयर एजी, जर्मनी;

१७७ ऊपर शुरू करने के बारे में नई विस्ती में जर्मनी और कोरिया के दूतावासों को भी सूचित कर विद्या गया और उनसे अनुरोध किया कि वे निर्धारित समयावधि के अन्दर अपने-अपने देश के नियतिकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें । नियतिकों को भेजी गई याचिका पत्र और प्रश्नावली की प्रति दूतावासों को भी भेजी गई ।

१७८ प्रश्नावली का उत्तर निम्नोक्त द्वारा प्रस्तुत किया गया :

मैसर्स

- कोरिया कुम्हो पैट्रोकेमिकल कम्पनी, कोरिया,
- बेयर ए.जी.जर्मनी,
- बेयर इण्डिया लिमि०.मुम्हई,
- ऋषिरूप पालीमर्स प्रा.लि०.मुम्हई,
- गोल्डन रोल्स प्रा.लि०.दिल्ली,
- वाको सलि, मुम्हई,
- पुनीत रेजिन प्रा.लि०.मुम्हई,
- लालिया इण्डिस्ट्रियल सप्लाई कम्पनी प्रा.लिमि०, अहमदाबाद,
- रनराको लिमि०.मुम्हई,
- जेनिथ रबड़ पण्ड प्लास्टिक वर्क्स, मुम्हई,
- प्रेसीजन रबड़ इण्डस्ट्रीज प्रा.लि०.मुम्हई,
- माक्यिल होम इण्डस्ट्रीज प्रा.लि०.मुम्हई,

११५ विनांक 12 जून, 1996 को प्राधिकारी द्वारा आयतकों, नियतिकों, याचिकाकर्ता, अन्य झुठक पक्षों और

जर्मनी तथा कोरिया के दूतावास को मोका देने के लिए सार्वजनिक सुनवाई की गई । इस सुनवाई में निम्नांकित ने भाग लिया :

मैसर्स

- गुजरात अपर पालिमर्स लिमि०, मुम्बई,
- बेयर एजी, जर्मनी अपने अधिकृत प्रतिनिधि मैसर्स बेयर इंडिया लिमि०, मुम्बई की मार्फत
- कोरिया कुम्हो पैट्रोकेमिकल कम्पनी लि०, अपने अधिकृत प्रतिनिधि मैसर्स ऋषिरूप पालिमर्स प्रा०लि०, मुम्बई की मार्फत
- पुनीस रेजिन्स लिमि०,
- इनारको लिमि०,
- प्रेसीजन रबड इण्डस्ट्रीज लिमि०,
- के०के०रबड कं० (आई०प्रा०लिमि०,
- पार्कमैन पालीमर इण्डस्ट्रीज,
- श्री वैकटेशवरिया इण्डस्ट्रीज,
- कैपेक्सल,
- साधिया इण्डस्ट्रीज सप्लाई कंपनी,
- आस इंडिया रबड इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन,
- अनिल रबड,
- गोल्डन रेल्स प्रा०लिमि०,
- ऑटो सील्स एण्ड रबड इण्डस्ट्रीज प्रा०लिमि०,
- फेडरेशन आफ रबड फुटोक्यूर मैनुफैक्चरर्स,
- हिन्दुस्लान पालीमर्स,
- बाये कैमिकल्स एण्ड रबड प्रोडक्ट्स,
- ई०आर०सी०एयर लिमि०,
- रिस्यैटिक्स एण्ड कैमिकल्स लिमि०,
- फलेक्सो इण्डस्ट्रीज,
- विंको ऑटो इण्ड०लिमि०,
- कोहिनूर इंडिया लिमि०,

इ०४४ उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टीयों को सलाह दी गयी थी कि वे सार्वजनिक सुनवाई के दौरान व्यक्त किए गए अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करें ताकि उन पर जांच से सम्बद्ध अन्य पक्षों की प्रति-टिप्पणियां प्राप्त की जा सके । पार्टीयों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित निवेदन अन्य पक्ष (पक्षों) को, उनकी टिप्पणियों के लिए, उपलब्ध कराए गए ।

इ०५१ प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी गई जानकारी मांगी और उसका सत्यापन किया । इस

दिशा में याचिकाकर्ता के मुख्य कार्यालय और फैक्ट्री में भी जांच की गई ।

॥x11॥ प्राधिकारी ने सागत की जांच की और सामान्य रूप से स्वीकृत लेसा सिद्धान्तों के आधार पर भारत में पन-बी-आर-बनाने और बेचने के लिए अधिकतम उत्पादन सागत तथा सागत निकाली जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि क्या क्षति को दूर करने के लिए डिम्पिंग मार्जिन से कम प्रतिपाठन शुल्क लगाना पर्याप्त होगा ।

॥x111॥ इस जांच में 1 अक्टूबर, 1994 से 31 मार्च, 1995 तक की अवधि कवर की गई ।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

याचिकाकर्ता ने निम्नोंकेत्वं अनुरोध किए :-

1. याचिकाकर्ता द्वारा दायर किए गए अनुरोध पर प्राधिकारी द्वारा की गई जीव से जापान से पन-बी-आर- के बृहत् पाठन की पुष्ट हुई और सरकार ने जापान से होने वाले आयातों पर प्रतिपाठन शुल्क लगाया है ।

2. अध्याय 40 के अंतर्गत विभिन्न सीमा-शुल्क कोडों के अंतर्गत पन-बी-आर- के आयातों की स्वीकृति दी गई है ।

3. जर्मनी में घरेलू बाजार में पन-बी-आर- का सामान्य मूल्य 2248 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन था जिसकी तुलना में भारत में इसका निर्यात 1133 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन सी.आई.एफ. आ कारखानागत मूल्य 814 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन था । इससे यह प्रमाणित होता है कि जर्मनी से पन-बी-आर- का पाठन किया गया ।

4. कोरिया के निर्यातिक भारत में पन-बी-आर- का पाठन तथे समय से करते आ रहे हैं । कोरिया के घरेलू बाजार में कीमतों को वर्तने वाले प्रभाग इकट्ठा नहीं कर सका है और उत्पादन की आधार पर सामान्य मूल्य के बारे में विचार किए जाने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध किया है ।

2075 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन के सामान्य मूल्य और 882 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन निर्यात मूल्य से कोरिया द्वारा पाठन प्रमाणित होता है ।

5. आयातों में बूंदें, आयत कीमतों में कमी जैसे विभिन्न कारक और उत्पादन, क्षमता उपर्युक्ती मात्रा, विकी कीमत, वित्तीय द्वानि इत्यादि जैसे याचिकाकर्ता को प्रभावित करने वाले कारक, याचिकाकर्ता को हुई क्षति के प्रभाग हैं, जो कि जर्मनी और कोरिया द्वारा किए गए आयातों के कारण हुई ।

6. कोरिया से निर्यातों के लिए वोहरी दलाली का भुगतान किया गया, एक बार मैसर्स कोरिया कुम्हों पर्ण कं0 को इजिसके माध्यम से कोरिया कुम्हों द्वारा निर्यात किया गया है और पुनः भारत में डेमिटिंग फैट को किया गया । इसलिए, कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी को कोरिया से किए गए निर्यात पर 6% कमीशन पर विचार करना चाहिए ।

7. जर्मनी और कोरिया से निर्यातों की उत्तराई सागत निर्धारित करते समय सीमा शुल्क पर विचार नहीं किया जाना चाहिए । इसके अलावा, घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मात्रा निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी द्वारा ग्राहक की सागत पर विचार किया जाना चाहिए ।

ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य इकूल पार्टीयों के विचार

निर्यातकों, आयातकों और अनेक इकूल पार्टीयों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है और अन्य मुद्राओं के अस्थिरकल समान वस्तुओं, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, याचिकाकर्ता को क्षति जैसे अनेक मुद्राओं को उठाया है। संक्षेप में, ये मुद्राएं निम्नानुसार हैं:

क. समान वस्तु के बारे में:

1. पन.बी.आर. एक वस्तु नहीं है बल्कि अनेक वस्तु समूहों के लिए व्यापक शब्द है। एकलोनीट्रील बुटाईन रबड़ या नाइट्रील रबड़ शब्द का उपयोग रबड़ उद्योग में पन.बी.आर. इलास्टोमर्स के वर्ग या किसी को परिभाषित करने में किया जाता है।
2. बेयर और अपर की प्रौद्योगिकी और उत्पादन प्रक्रिया अलग-अलग है। बेयर द्वारा निर्यात किए गए पन.बी.आर. में उत्पाद संघटन की तुलना न तो इसके पुराने उत्पाद से होती है और न ही याचिकाकर्ता की उत्पाद श्रेणी से। बेयर के पन.बी.आर. और अपर के पन.बी.आर. की फिनिशिंग प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण अन्तर है।
3. कोरियाई पन.बी.आर. और बेयर का पम.बी.आर. न तो वैसा उत्पाद है जैसा कि याचिकाकर्ता का पन.बी.आर. और न ही अपर पन.बी.आर. जर्मन या कोरियन पन.बी.आर. का स्थानान्तर है।
4. जर्मनी और कोरिया से आयातित पन.बी.आर. और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित पन.बी.आर. क्षातियों की वृद्धि से भी अलग-अलग हैं।
5. उपर्युक्त तर्कों के आलोक में याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित पन.बी.आर. और कोरिया तथा जर्मनी से आयातित पन.बी.आर. समान वस्तुरूप नहीं हैं।

ख. सामान्य मूल्य के बारे में:

कोरिया में सामान्य मूल्य के बारे में याचिकाकर्ता ने प्रमाण नहीं दिया है। कोरियाई पन.बी.आर. के लिए याचिकाकर्ता द्वारा निर्वित उत्पादन सागत गलत और बढ़ा-चढ़ा कर बताई गई है।

ग. निर्यात मूल्य के बारे में:

याचिकाकर्ता ने कोरिया से गलत निर्यात मूल्य प्रस्तुत किया है। सम्बद्ध अवधि के दौरान कोरिया से निर्यात कीमत 1249 यू.पस. डालर प्रति मी.टन थी। इसके अलावा, याचिकाकर्ता द्वारा समुद्री भाष्टा, बीमा और अन्य लागतों का गलत ढंग से अनुमान लगाया गया है और वह बहुत ही ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया है। समुद्री भाष्टा, बीमा और अन्य कारणों से वास्तविक लागत कोरिया के मामले में 100 यू.पस. डालर प्रति मी.टन से ज्यादा नहीं है।

घ. क्षमता के बारे में:

1. पन.बी.आर. के आयतों से उद्योग की स्थापना के बारे में वास्तविक बाधा की आशंका नहीं होती है और न ही भविष्य में इससे वास्तविक क्षमता की आशंका है।
2. जीव अधिकारी के दौरान कोरिया से आयतों की मात्रा सिर्फ 205.1 मी.टन थी न कि 308 मी.टन ऐसा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है। कोरिया से आयतों में गिरावट आई है और देश में नाइट्रील रबड़ की कुल मांग की तुलना में वह नगण्य है।
3. देश में पन.बी.आर. की मांग में तीव्र वृद्धि हुई है और याचिकाकर्ता द्वारा उसे पूरा नहीं किया जा सकता।
4. याचिकाकर्ता के उत्पादन, बिक्री की मात्रा, स्टॉक और बिक्री कीमतों में लगातार सुधार विसर्जित किया है। याचिकाकर्ता को फिर से लाभ होने लगा है।
5. जर्मनी और कोरिया से अलग-अलग आयतों की उत्तराई कीमत उस मूल्य से महत्वपूर्ण रूप से ज्यादा थी जिसका दावा याचिकाकर्ता ने किया था।
6. आयातित सामग्री का एक भाग पुनर्निर्यात के लिए या जहाँ पन.बी.आर. के भारतीय उपभोक्ताओं को हर तरह से प्रतिस्पर्द्धात्मक बनना होगा।
7. तुलन-पत्र में मूल्य घटने के संबंध में याचिकाकर्ता के दावे का समर्थन नहीं किया गया है जिसमें जीव अधिकारी के दौरान महत्वपूर्ण उच्च बिक्री मूल्य का सुझाव दिया गया है।
8. प्राधिकारी ने जापान संबंधी जीव में याचिकाकर्ता के लिए 86126 रु० प्रति मी.टन उचित बिक्री मूल्य तय किया है। याचिकाकर्ता पन.बी.आर. की बिक्री 87500 रु० प्रति मी.टन की दर पर पहले ही कर रहा है। इसलिए, याचिकाकर्ता को और अधिक राहत की जरूरत नहीं है।
9. कोरिया से होने वाले निर्यात से भारतीय बाजारों में मूल्यों में गिरावट नहीं हुई है।
10. याचिकाकर्ता को अपर्याप्त लागत क्षमता, गलत स्थान पर संयंत्र की स्थिति, कच्ची सामग्री की गैर-उपलब्धता और स्थल के निकट निर्णायक मुख्य कच्ची सामग्री की उच्च लागत, ग्रेडों की अपर्याप्त रैज, गुणवत्ता पर अपर्याप्त नियंत्रण और परियोग किसम की कच्ची सामग्री उपभोक्ता मानवण्ड ऐसे स्वाभाविक ... की परेशनी के फलस्वरूप नुकसान हुआ।
11. भारत में उत्पादित विभिन्न किसम की सिंथेटिक रबड़ की कीमतों की तुलना से प्रदर्शित होता है कि याचिकाकर्ता ने पन.बी.आर. की कीमतों में अन्य सिंथेटिक रबड़ की तुलना में 41% अधिक वृद्धि की।

इ. अन्य मामले:

1. कोरिया के लिलाफ किसी अन्य लिलित शिकायत के साझे नहीं हैं।
2. प्राधिकारी ने दो याचिकाओं को साथ मिलाया है [कोरिया और जर्मनी से] जो अनुचित है।
3. कार्रवाई शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सुन्नता की सत्यता की जीव प्राधिकारी ने नहीं की है।
4. निर्यातक देशों की सरकारों को जीव कार्रवाई शुरू करने से पूर्व सूचित नहीं किया गया।
5. प्राधिकारी द्वारा जिस जीव अधिक पर विवार किया गया वह मनमाने ढंग से निर्धारित और अनुचित है।

6. प्राधिकारी ने इच्छुक पार्टियों को सार्वजनिक सूचना के जरिए समय सीमा बढ़ाने की अनुमति नहीं दी है।

घ. प्राधिकारी द्वारा जीवं और निष्कर्ष

1. इन नियमों पर पहुंचते समय नियंत्रक, आयतक, याचिकाकर्ता और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत की गई टिप्पणियों की जीवं करते हुए उन पर विचार किया गया है और इन नियमों में उचित स्थानों पर उन पर विचार किया गया है।

2. दोनों वेशों के जीवं के मामले को पक साथ मिलाने के प्रश्न पर उपरोक्त नियमाली के नियम 19 में प्राधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह उन सभी मामलों की जीवं करें जहाँ से वसुरै डम्प की गई प्रतीत होती है। अतः पक ही जीवं में ऐसे सभी ग्रोटों से हुए आयतों की जीवं करना उचित ही है। इसके अलावा, परेसू उद्योग को हुई वास्तविक हानि का समेकित मूल्यांकन तथ्यों और मामले की परीक्षणों के तहत उचित है और इसलिए दोनों वेशों के मामलों को साथ मिलाकर प्राधिकारी ने ठीक ही किया है।

3. प्राधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त सूचना की पर्याप्तता और यथार्थता प्रथम वृष्ट्या सत्यापन करे और विस्तृत सत्यापन जीवं का पक अंश है। जीवं शुरू करने का उद्देश्य यही है कि याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की यथार्थता का सत्यापन किया जाए।

4. उपरोक्त उजागर तथ्यों के अनुसार, दोनों वेशों की सरकारों को जीवं कार्रवाई शुरू करने से पूर्व सूचित किया गया और इस तथ्य के आधार पर उनका दावा वस्तुतः गलत है।

5. प्राधिकारी द्वारा जिस जीवं अवधि पर विचार किया गया है वह नियमों के अनुसार है और सबसे अधिक उचित है क्योंकि याचिकाकर्ता ने इस अवधि के दौरान इन वेशों से नियंत्रकों द्वारा पन०बी०आर० की कथित तौर पर डम्पिंग करने का आरोप लगाया था। प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह याचिकाकर्ता द्वारा जिस अवधि में डम्पिंग होने का आरोप लगाया गया है, उस अवधि की जीवं करे।

6. नियमों में सार्वजनिक सूचना के जरिए समय सीमा बढ़ाने की बात नहीं कही गई है और न ही ... की ओर से समय सीमा बढ़ाई जानी अनिवार्य है। प्राधिकारी ने नियमों के तहत नियंत्रित समय-सीमा की अनुमति दी थी जिससे कि प्राधिकारी की कार्रवाई का उत्तर प्रस्तुत किया जा सके।

उ. विचाराधीन उत्पाद

1. कर्तमान जीवं में जिस उत्पाद पर विचार किया जा रहा है वह है एक्सिलोनाइट्रील बुटाफीन रबड़ जिसे नाइट्रील रबड़ और पन०बी०आर० के नाम से भी जाना जाता है। पन०बी०आर० का उपयोग मुख्यतः विभिन्न प्रकार की रबड़ वस्तुओं का निर्माण करने के लिए किया जाता है जैसे - ऑयल सील, होमेज, आटेमोटिव उत्पाद, गैसकेट्स, चालक की भूसी उत्तारने वाले बेलन, प्रिंटर फैब्रिक्स, ऑयल फिल्ड उत्पाद, कल्याणि। पन०बी०आर० के निर्माण के लिए मुख्य कृत्त्वी सामग्री अपेक्षित हैं - एक्सिलोनाइट्रील एवं बुटाफीन।

2. आयतकों और नियंत्रकों ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा नाइट्रील रबड़ की अनेक किस्मों का उत्पादन नहीं किया जा रहा है। आयतकों और नियंत्रकों ने हाइड्रोजिनेटेड पन०बी०आर० और कर्डेक्सीलेटेड पन०बी०आर० का उत्तीर्ण उदाहरणों के स्पष्ट में किया है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि जहाँ तक कोरिया से होने वाले आयत का संबंध है, इन किस्मों का उत्पादन कोरिया कुम्हों द्वारा भी नहीं किया जाता है और दोनों नियंत्रकों ने इन किस्मों का नियंत्रित भारत को नहीं किया है।

30. प्राधिकारी नोट करता है कि यदि इस उत्पाद का भारत में निर्यात नहीं किया गया है तो इस उत्पाद को वर्तमान जीव के दायरे से बाहर रखना उचित नहीं रहेगा क्योंकि उसके डिपिंग की बात को न सो रिश किया जा सकता है और न ही इसे अप्रमाणित किया जा सकता है। प्राधिकारी के लिए यह अधिक उचित रहेगा कि वे किसी निर्यातिक दारा छुट देने के विशेष अनुरोध को स्वीकार कर लें यदि वह ऐसे किसी के निर्यात करने की छला रखता हो जिसका निर्यात अब तक उसके दारा नहीं किया जा रहा है और न ही याचिकाकर्ता दारा इसका विनिर्माण किया जा रहा है। इसलिए प्राधिकारी इन निष्कर्षों के प्रयोजन के लिए इस बात की पुष्ट करते हैं कि वर्तमान जीव दायरे में इन देशों से होने वाले सभी किसी के पन.बी.आर. के आयात शामिल हैं।

40. पन.बी.आर. का वर्गीकरण सीमा शुल्क ट्रैफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के अध्याय 40 में किया गया है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि पन.बी.आर. के आयात की स्वीकृति नाइट्रील रबड़ के प्रयोजन के लिए तथा सीमा शुल्क कोड से मिन्न सीमा शुल्क कोडों के अंतर्गत दी जाती है। यह भी पाया गया है कि केला ने जीव अवधि के दौरान 1396 मी.टन नाइट्रील रबड़ का निर्यात करने की पुष्ट की है जबकि डी.जी.सी.आई.एण्ड पस. के अंकड़े केवल 219 मी.टन आयात होने की बात प्रकट करते हैं।

च. समान उत्पाद

1. समान उत्पाद की परिभाषा नीचे दी गई है:-

"समान उत्पाद का अर्थ उस उत्पाद से है जो जीव की जा रही उस वस्तु से डर दृष्टि में एक रूप हो अथवा समान हो जिसको भारत में डम्प किया जा रहा है अथवा ऐसे उत्पाद के अभाव में अन्य उत्पाद जो हालांकि हर वृष्टि से समान नहीं है लेकिन जीव की जा रही वस्तु से मिलते-जुलते सभी गुण उसमें मौजूद हों"।

2. आयातकों/निर्यातकों का मुख्य तर्क, जैसा कि उपरोक्त विस्तृत व्योरे से स्पष्ट है, यह है कि अ.. पन.बी.आर. उत्पाद की बनावट जर्मनी और कोरिया से आयातित पन.बी.आर. से मिन्न है और अ.. पन.बी.आर. वेयर अथवा कोरिया कुम्हो के पन.बी.आर. का प्रतिस्थापन नहीं है।

3. निर्यातकों और आयातकों दारा इस तर्क की पुष्टि में पर्याप्त प्रमाण नहीं दिय गए हैं कि जर्मन और कोरियाई पन.बी.आर. अपार पन.बी.आर. का प्रतिस्थापन नहीं है। निर्यातकों और आयातकों दारा प्रस्तुत प्रतिस्थापन संबंधी तर्क के विपरीत प्राधिकारी यह बात नोट करता है कि अनेकानेक प्रयोक्ताओं ने घेरते उत्पाद और खिदेशी आपूर्ति के बीच अपनी जहरतों में परिवर्तन कर दिया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि याचिकाकर्ता दारा उत्पादित पन.बी.आर. को जर्मनी और/अथवा कोरिया से आयातित पन.बी.आर. से प्रतिस्थापित किया गया।

4. यह भी देखा गया है कि सभी नाइट्रील रबड़ एकोलोनाइट्रीक और बुटाफीन के कोपेलिमर हैं और ये पैट्रोलियम रसायनों को अवरोध शक्ति प्रदान करने का वही सामान्य उद्देश्य पूरा करते हैं, यद्यपि इनका अलग-अलग विशेष उपयोग है। प्राधिकारी ने पाया है कि विनिर्माण प्रक्रिया, उपकरण और अन्य सुविधाएँ जो पन.बी.आर. की मिन्न किसी का उत्पादन करने के लिए आवश्यक हैं, वे एक जैसी हैं और पन.बी.आर. की मिन्न-मिन्न किसी का उत्पादन करने के लिए किसी विशेष उपकरण की जहरत नहीं पढ़ती है।

5. पूर्ववृत्तत के आलोक में, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता दारा उत्पादित पन.बी.आर. जर्मनी और कोरिया गणराज्य से आयातित पन.बी.आर. के समान है।

छ० घरेलू उद्योग

यह याचिका मैसर्स गुजरात अपार पोलीमर लि०, मेकर स्टेम्बर 111, प्रथम तल, नरीमन प्लांट, मुंबई 400 021 वारा दायर की गई है। मैसर्स सिंथेटिक्स एण्ड कैमिकल्स लि० ने भी नाइट्रील रबड़ का उत्पादन करने की अपनी क्षमता प्रकट की है। तथापि, याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में सबसे आधिक बनता है और इसलिए याचिकाकर्ता उपरोक्त नियम 2 [ख] के अनुसार घरेलू उद्योग बनता है।

ज० सामान्य कीमत

1. बेयर और कोरिया कुम्हो वोनों निर्यातकों ने जाँच अवधि के लिए अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू बाजार में अपनी बिक्री, भारत को होने वाले निर्यात तथा अन्य देशों को होने वाले निर्यात के बारे में निम्नलिखित तथ्य विषय हैं:-

- बिक्री मात्रा और बिक्री वसूली,
- बिक्री कीमत, कमीशन/रियायत, पैकेजिंग, फेट एण्ड इंश्योरेंस, एफ ओ बी कीमत, एफ ओ बी से पहले और फैवट्री के पश्चाल शुल्क तथा कारखानागत बिक्री का प्रति यूनिट निर्यात मूल्य तथा बेची गई मात्रा के लिए,
- बेयर ने बिक्री मूल्य, बिन्न-बिन्न लागत, पैकेजिंग, मार्जिनल प्रोफिट बिक्री प्रति यूनिट और बेची गई मात्रा का ब्यौरा भी दिया है, यद्यपि इस निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार प्रत्येक बाजार में बिक्री से होने वाला लाभ और उत्पादन लागत के बारे में विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया है।
- 2. चूंकि वोनों निर्यातकों ने घरेलू बाजार में बिक्री के लिए कारखानागत मूल्य विषय हैं, इसलिए कोरिया ने इन पर विश्वास करते हुए दोनों निर्यातकों के लिए घरेलू बाजार में औसत भारीत कारखानागत जैकीमतों के आधार पर सामान्य कीमत पर विधार किया है। चूंकि वोनों निर्यातकों ने कारखानागत बिक्री का ब्यौरा दिया है, इसलिए इसमें आगे और समायोजन करने की जरूरत नहीं है।

ऋषिरूप पोलिमर्स प्रा० लि० [ऋषिरूप] ने निर्यातक मैसर्स कोरिया कुम्हो की ओर से घरेलू बाजार की गई बिक्री और भारत को की गई निर्यात-बिक्रियों में अन्तर होने का दावा किया है। यह दावा किया गया है कि कोरिया कुम्हो द्वारा घरेलू बाजार में बिक्री अथवा अन्य देशों को किए जाने वाले निर्यातों में एन-बी-आर की सभी किस्में शामिल हैं और इसलिए इनकी तुलना भारत को होने वाले निर्यात से नहीं की जा सकती जो एकल किसम का है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि कोरिया कुम्हो ने एक ही तुलनीय किसम अर्थात् के एन बी 35 पल के लिए घरेलू बाजार में बिक्री मूल्यों और भारत को होने वाले निर्यात का ब्यौरा दिया है और इसलिए इस आधार पर ऋषिरूप का वादा रद्द किया जाता है। ऋषिरूप ने आगे और वादा किया है कि घरेलू बिक्री और निर्यात के मामले में कच्ची सामग्री पर आयत शुल्क में अन्तर, तकनीकी सेवा सहायता और गुणवत्ता गास्टी तथा उक्स वोनों बाजारों में बिक्री मात्रा की बजह से कोरिया में घरेलू कीमत अधिक है। तथापि, प्राधिकारी नोट करता है कि उसने निर्यातक को एक प्रश्नावली भेजकर उससे उत्पादन लागत और भारत को किए गए निर्यात से हुए लाभ, घरेलू बाजार में बिक्री तथा अन्य देशों को किए गए निर्यात के बारे में सूचना मांगी थी। जिसके जवाब में, निर्यातक ने कहा है कि करियत ब्यौरा उपलब्ध नहीं है। अतः पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में ऋषिरूप का वादा स्वीकार्य नहीं है।

श्व. निर्यात मूल्य

1. निर्यात मूल्य का निर्धारण बेयर और कोरिया कुम्हो दारा दावा किए गए भारत ओसत कारखानागत निर्यात मूल्य के आधार पर किया गया है। चूंकि निर्यातकों ने कारखानागत निर्यात मूल्य निकालने के लिए संगत व्यौरे भेजे हैं, इसलिए आयातकों दारा भेजे गए व्यौरों पर विश्वास नहीं किया गया है।

2. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि कोरिया के निर्यातक ने भारत को की गई खिली पर दो बार कमीशन का भुगतान किया है एक बार मैसर्स कुम्हो एण्ड कम्पनी को जिसके जरिए भारत को निर्यात किया गया और दूसरी बार भारतीय इंडेटिंग एजेंट मैसर्स ऋषिरूप पोलिमर्स को। यह प्रस्ताव है कि इस बारे में अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने हेतु प्रारंभिक निष्कर्षों के बावजूद निर्यातक को अलग से लिखा जाए।

अ. तुलना

1. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के बीच उचित तुलना के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना तथा उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विचार किया। प्राधिकारी ने अलग-अलग निर्यातक के लिए भारित ओसत सामान्य कीमत की तुलना भारित ओसत निर्यात कीमत से की है, जिससे निम्नलिखित सामान्य कीमत, निर्यात मूल्य और डीम्पंग मार्जिन प्रदर्शित हुआ है:

प्रति मी.टन अमरीकी डालर

बेयर ए जी, जर्मनी	डीम्पंग मार्जिन
कोरिया कुम्हो पैट्रोकैमिक्स	1367.00
कम्पनी रिं 0, कोरिया गणराज्य	284.30

2. प्राधिकारी नोट करता है कि केवल जीव अवधि के दौरान सामान्य कीमत और निर्यात मूल्य डीम्पंग तय करने के लिए संगत हैं और भारत को होने वाले निर्यात के प्रचलित मूल्य अथवा अंतर्राष्ट्रीय मूल्य इस प्रयोजन के लिए संगत नहीं हैं।

ट. हानि

1. उपरोक्त नियम 11, अनुबंध ॥ के अनुसार जब हानि का पता लगाया जाता है तो घरेलू उद्योगों को होने वाले नुकसान का निर्धारण करते समय डम्पड आयातों की मात्रा, समान उत्पाद की घरेलू बाजार कीमतों पर इनके प्रभाव और उसके फलस्वरूप ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के प्रभाव समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार किया जाता है। कीमतों पर डम्पड आयातों के प्रभावों पर विचार करते समय इस बात की जीव करनी जरूरी समझी जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में डम्पड आयात की वजह से कीमतों में महत्वपूर्ण गिरावट रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्यथा किसी महत्वपूर्ण सीमा तक कीमतों में गिरावट आई है अथवा मूल्य वृद्धि पर रोक लगी है जो अन्यथा एक महत्वपूर्ण सीमा तक हुई होती।

2. उपरोक्त नियम 11 के तहत अनुबंध ॥॥॥॥॥ में यह प्रावधान भी है कि जहाँ एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ ही पाटनरोधी जीव की जानी हो, वहाँ निर्दिष्ट प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों के प्रभाव का एक साथ आकलन तभी करेगा जब यह निर्धारित हो जाए कि १क०० प्रत्येक देश से हुए आयात से संबंधित डीम्पंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान उत्पाद के आयात का तीन प्रतिशत है अथवा जहाँ अलग-अलग देश का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, वहाँ समेकित आयात समान उत्पाद के आयात का सात प्रतिशत से ज्यादा बनता है और १ख०० जब आयातित उत्पाद एवं समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्द्ध की परिस्थिति के आलोक में आयातों के प्रभाव का एक साथ आकलन करना उपयुक्त हो।

३. प्रांषिकारी ने फह नोट किया कि जर्मनी और कोरिया से भैम्पिंग का मार्जन और आयातों की मात्रा निष्ठारित सीमा से अधिक है। आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण पुराप्त है क्योंकि जर्मनी और कोरिया से आयात तथा याचिकाकर्ता से आपूर्ति भारतीय बाजार में सीधे प्रतिस्पर्श कर रही है।

४. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जाँच के लिए उपर्युक्त नियमों के अनुलग्नक—।।४।।७। के अनुसार प्रांषिकारी ने उन विषयों पर विचार किया जिनका उच्चोग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन प्रवृत्ति, कमता उपयोग, बिक्री मात्रा, रसायन, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय, मात्रा तथा भैम्पिंग का मार्जन इत्यादि।

क. उम्म किए गए आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा

भारत में नाश्ट्राइल रबड़ का कुल आयात 1992-93 में 3109 एम.टी.० से बढ़कर 1993-94 में 5633 एम.टी.० हो गया और जाँच की छः महीने की अवधि के दौरान 4639 एम.टी.० हो गया। जर्मनी और कोरिया से आयात 883 एम.टी.० ।।९३।। से बढ़कर 2167 एम.टी.० ।।९४।। और जाँच अवधि के दौरान 1619 एम.टी.० हो गए। प्रांषिकारी ने नोट किया कि जर्मनी और कोरिया से आयात जाँच की अवधि के दौरान निरपेक्ष रूप से बढ़े हैं। परिणामस्वरूप भारत में एन.बी.आर. के कुल आयातों में दोनों देशों का हिस्सा जाँच अवधि के दौरान ।।९३।।९४।। से बढ़कर 35% हो गया।

- भारत में एन.बी.आर. के कुल उपभोग में जर्मनी और कोरिया का बाजार हिस्सा जाँच अवधि के दौरान 8।।९३।।९४।। से बढ़कर 27।। हो गया।

ख. उत्पादन और कमता उपयोग

घरेलू उद्योग का एन.बी.आर. का उत्पादन 2178 एम.टी.० ।।९२।।९३।। से बढ़कर 2380 एम.टी.० ।।९३।।९४।। हो गया और जाँच अवधि के दौरान 1573.210 एम.टी.० था। तथापि, प्रांषिकारी ने नोट किया कि याचिकाकर्ता को गैर-एन.बी.आर. मदों का उत्पादन करने को मजबूर किया गया है। जो ऐसे संयंत्र और मशीनरी के लिए आवश्यक नहीं है जोकि याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध है। और जहाँ तक एन.बी.आर. का संबंध है, कमता का उपयोग अभी तक उत्पान्न कमता से बहुत कम है।

ग. सम्पूर्ण मात्रा की बिक्री

घरेलू उद्योग की बिक्री निरपेक्ष रूप में ।।१६ एम.टी.० ।।९२।।९३।। से बढ़कर 227। एम.टी.० ।।९३।।९४।। हो गई और जाँच अवधि के दौरान ।।४२७.६७० एम.टी.० थी। तथापि, याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा ।।९३।।९४ की तुलना में जाँच अवधि के दौरान ।।६४ तक गिरा।

घ. बिक्री कीमत को प्रवृत्ति

बिक्री को प्रति स्मर्टो० निवल औसत प्राप्ति० उत्पाद मुल्क और बदटे को निकालने के बाद० ६।७९३८०४।१९२-१३४,५८५९२८०४।१९३-१४४ और ६५,४०६ स्तॄ० जांच अधिक के दौरान० थे । दोनों देशों को सोमामुल्क में क्षमो तथा सौ०जाई०स्प० आयात मूल्यों में गिरावट ने घरेलू उद्योग को एन.बी.आर. को उत्पादन तागत से कम गैर परिश्रमिक कीमतों पर बिक्री करने के लिए मजबूर किया ।

ड. स्टॉक

जांच अधिक के दौरान यांचिकाकर्ता का स्टॉक १९१ सम.टो० से ४६। समर्टो० के बोय था ।

घ. लाभ/हानि

यांचिकाकर्ता को उत्पादन तागत से कम कीमतों पर एन.बी.आर. की बिक्री से वित्तीय हानि हुई है । प्राधिकारी ने नोट किया कि यद्यपि यांचिकाकर्ता ने अपने प्रकाशित वार्षिक लेखा में लाभ दर्शाए हैं, यह गैर-एन.बी.आर. मदों की बिक्री और मैसर्स अपार लिंग के त्यवसाय के स्थानांतरण की वजह से है । जहाँ तक इसके एन.बी.आर. प्रधालनों का संबंध है, वह हानि में है ।

छ. क्षति संबंधी निष्कर्ष :

प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला कि :

- परिस्थितियों दोनों देशों पे आयातों के लिए संघयो आधार पर क्षति पर विधार-विमर्श का अधिकार देती है;
- जांच अधिक के दौरान दोनों देशों से एन.बी.आर. के आयातों में निरपेक्षरूप से वृद्धि हुई है;
- देश की कुल मांग में जर्मनी और कोरिया के द्विसे में जांच अधिक के दौरान मर्केट के वृद्धि हुई है ।
- जर्मनी और कोरिया के निर्यातों ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों अलाभमुद स्तर तक तक के लिए मजबूर किया और घरेलू उद्योग को उत्पादन की अपनी पूरी कीमत प्राप्त करने लक्षावट डाली, जिससे घरेलू उद्योग को हानि हुई ।
- घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न संकेतक जैसे - उत्पादन, कमता उपयोग, बिक्री की मांत्राएं, औसत बिक्री अधिकारिता, स्टॉक, घरेलू उद्योग को वास्तविक रूप से हुई सामूहिक और संचयी हानि, यद्यपि कुछ पैरामोटरों में सुधार हुआ है ।

इस प्रकार प्राधिकारी इस अपरिहार्य निष्कर्ष पर पहुंचा कि घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई है ।

ठ. भारतीय उद्योग के फैलत और अन्य मुद्दे

1. पाटनरोधी मुल्कों का उद्देश्य यह है कि सामान्यतौर पर ऐसे पाटन को समाप्त किया जा सके जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उधित प्रतिस्पर्धा को स्थिति लाई जा सके जो कि देश के सामान्य फैलत में है

2. यह माना जाता कि पाटनरोधों शुल्क लगाने से इन द्वी जार के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों को सापेक्ष प्रतितस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधों उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रोत्स्पर्धा कम नहीं होगी। तिथेष्टकर तब, जबकि पाटनरोधों शुल्क को लेको घरेलू उद्योग को हुस नुस्खान को कम करने के लिए आवश्यकता राशि तक ही सीमित कर दी जाए। इसके विपरीत डीम्पिंग द्वारा प्राप्त होने वाले मनुरीयत लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के हास को रोका जाए और इस प्रकार सन्-बी-आर. के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहें। प्राधिकारी ने नोट किया कि पाटनरोधों उपायों से जर्मनी और कोरिया से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं को होने वालों उत्पाद को उपलब्धता पर कोई भ्राता नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता जापूर्ति के दो या अधिक स्रोत रख सकते हैं।

3. प्राधिकारी ने क्षमता उपयोग के प्राप्त होने योग्य स्तर पर उत्पादन को अधिकतम लागत पर विचार करके घरेलू उद्योग को होने वाली क्षीति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटन-रोधों शुल्क को मात्रा का पता लगाने के लिए भारत में सन्एबोषभारण का उचित बिक्री मूल्य निर्धारित किया है।

4. घरेलू उद्योग को डीम्पिंग के अतिरिक्त मन्य कारणों से हुई क्षीति, यदि कोई है, पर उम्म प्रायातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षीति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटन-रोधों शुल्क को राशि की सिफारिश करते समय विचार नहीं किया गया।

5. सोमाशुल्क में कमों से स्वयं डीम्पिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जहाँ तक क्षीति का संबंध है, प्राधिकारी ने जाँच अवधि के दौरान मीजूदा सोमाशुल्कों पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग को होने वाली क्षीति के स्तर को गणना की है।

6. प्राधिकारी ने इस बात पर ध्यान दिया कि भारत में सन्-बी-आर. को मांग देश में उपलब्ध क्षमताओं से जटिल है। तथापि, प्राधिकारी ने किसी निश्चित स्रोत से आयातों और आपूर्ति पर प्रतिबन्धों की सिफारिश नहीं की है और इसलिए, पाटनरोधों शुल्क लगाने की अवस्था में उपभोक्ताओं का सन्-बी-आर. को उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

7. उत्तराई मूल्य : चूंकि क्रेता ने भारत को निर्यातों का उत्तराई मूल्य दे दिया है, जो उसे इन्हेन्टिंग सैन्ट अर्थात् बेयर इंडिया लिमिटेड द्वारा दिया जा चुका है, इसलिए प्राधिकारी द्वारा भारित औसत उत्तराई मूल्य उसी के आधार पर निकाला गया है। कोरिया कुम्हों से आयातों के मामले में, निर्यातक जे लेन-देन अर्थात् आयात के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं और उत्तराई मूल्य प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए, प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए भारित औसत सो-आई-एफ-निर्यात मूल्य के आधार पर उत्तराई मूल्य और क्रेता द्वारा किए गए व्यय के आधार पर सी-आई-एफ-के बाद व्यय निकाला है।

क-निष्कर्ष

1. प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि :

- जर्मनी और कोरिया मूल के अध्या वहाँ से निर्यात किए जाने वाला सन्-बी-आर.भारत

को उसके सामान्य मूल्य से कम पर निर्धारित किया गया, जिसके पारणामस्वरूप इन निर्धारितकों द्वारा डीम्पंग हुई ।

- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षीति हुई है;
- क्षीति कुल मिलाकर जर्मनी और फ्रौरिया से होने वाले आयातों के कारण हुई है ।
- 2. प्राधिकारी यह भावधारक समझता है कि अन्तिम रूप से निर्धारण होने तक जर्मनी और फ्रौरिया में अध्या वहाँ से निर्धारित होने वाले एन.बी.आर. के सभी आयातों पर अनन्तम पाटनरोधों शुल्क लगाया जाए, ताकि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षीति से बचाया जा सके ।
- 3. प्राधिकारी ने विवार किया कि क्या डीम्पंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षीति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा । इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक निर्धारितक द्वारा किए गए सभी निर्धारितों की भारित औपूत उत्तराई कोमत को तुलना जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योगों को उचित बिक्री कोमत से को गई जो कि जांच अवधि के लिए निर्धारित की गई थी । इहाँ यह मन्त्रालय डीम्पंग मार्जिन से भी कम था, वहाँ क्षीति की मात्रा तक कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है । तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी को जाने वाली अधिसूचना को तीर्तीय से जर्मनी और फ्रौरिया उदगम वाले या वहाँ से निर्धारित किए जाने वाले एन.बी.आर. के सभी आयातों पर सीमा-शुल्क टैरिफ़ के अध्याय 40 के मन्तर्गत अनन्तम निबटारा होने तक निम्नानुसार अनन्तम पाटनरोधों शुल्क लगाया जाए :-

क्रम सं०	निर्धारितक का नाम	शुल्क की राशि ₹ रु.प्रति सम.टो.॥
1.	उदगम का देश : जर्मनी	
	• बेयर ए.जी. , जर्मनी	11557
	• उपर्युक्त के अतिरिक्त निर्धारित	11557
2.	उदगम का देश : फ्रौरिया गणतन्त्र	
	• फ्रौरिया कुम्हो पैट्रोकेमिक्ल कं, लिमि.	8975
	• निर्धारित उपर्युक्त के अतिरिक्त	8975
	सम्बद्ध ज्ञात निर्धारितकों, आयातकों, यार्चिङ्गकर्ता और अन्य हितबद्ध पार्टीयों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो जपने विवारों से अवगत कराना पाहते हैं। इस पत्र के जारी होने को तीर्तीय से 40 दिनों के भीतर जावेदन कर सकते हैं। फ्रौरिया अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जाँचों के प्रकाशन को तारोछ से 40 दिनों के भीतर विवार रख सकती है।	

**MINISTRY OF COMMERCE
NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th December, 1996

PRELIMINARY FINDINGS

SUBJECT . Anti-dumping investigation concerning imports of NBR originating in or exported from Germany and Korea RP - Preliminary findings

No. 9/1/95-ADD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:
 - (i) The Designated Authority (hereinafter referred to Authority), under the above Rules, received written request from M/s. Gujarat Apar Polymers Ltd., Mumbai on behalf of the domestic industry, alleging dumping of NBR originating in or exported from the Federal Republic of Germany and the Republic of Korea (referred to as Germany and Korea respectively) ;
 - (ii) The Authority notified the Embassy of Germany and Korea about the receipt of dumping allegations made by the petitioner before proceeding to initiate an investigation in accordance with sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
 - (iii) The Authority issued a Public Notice dated 15th March, 1995 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of NBR classified under heading 4002.59 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 4002.59.00 under Indian Trade Classification (based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating in or exported from the Germany and Korea;
 - (iv) The Authority forwarded copy of the public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request for an oral hearing;
 - (v) According to sub-rule (3) of Rules 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and the Embassy of Germany and Korea. A copy of the petition was also made available to the importers, as requested.
 - (vi) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following exporters:
 - Korea Kumho Petrochemical Company Ltd., Korea;
 - Kumho & Co., Korea;
 - Bayer AG, Germany;

(vii) The Embassy of Germany and Korea in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and was requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within prescribed time. A copy of the petition, letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassies;

(ix) Response to the questionnaire was filed by the following:

M/s.

- Korea Kumho Petrochemical Company, Korea,
- Bayer AG, Germany,
- Bayer India Ltd., Mumbai,
- Rishiroop Polymers Pvt. Ltd., Mumbai,
- Golden Rolls Pvt. Ltd., Delhi,
- Vako Seal, Mumbai,
- Puneet Resin Pvt. Ltd., Mumbai,
- Lathia Industrial Supplies Company Pvt. Ltd., Ahmedabad,
- Inraco Ltd., Mumbai,
- Zenith Rubber & Plastic Works, Mumbai,
- Precision Rubber Industries Pvt. Ltd., Mumbai,
- Markwel Hose Industries Pvt. Ltd., Mumbai,

(ix) A Public hearing was held by the Authority on 12th June, 1996 in order to provide opportunity to importers, exporters, petitioner, other interested parties and the Embassy of Germany and Korea. The hearing was attended by the following:

M/s.

- Gujarat Apar Polymers Ltd., Mumbai,
- Bayer AG, Germany through their authorised representatives M/s. Bayer India Ltd., Mumbai,
- Korea Kumho Petrochemical Company Ltd., through their authorised representatives M/s. Rishiroop Polymers Pvt. Ltd., Mumbai,
- Puneet Resins Ltd.,
- Inarco Ltd.,
- Precision Rubber Industries Ltd.,
- K K Rubber Co (I) Pvt. Ltd.,
- Parkman Polymer Industries,
- Shree Venkateshwaria Industries,
- CAPEXIL
- Lathia Industrial Supply Company,
- All Indian Rubber Industries Association,
- Anil Rubber,
- Golden Rolls Pvt. Ltd.,
- Auto Seals & Rubber Industries Pvt. Ltd.,
- Federation of Rubber Footwear Manufacturers,
- Hindustan Polymers,
- Bombay Chemicals & Rubber Products,
- ERC Air Ltd.,
- Synthetics & Chemicals Ltd.,
- Flexo Industries,
- Vinko Auto Ind. Ltd.,
- Kohinoor India Ltd.,

- (x) All the parties who attended the said public hearing were advised to present their submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other party(ies) to the investigation and the written submissions made by the party(ies) were made available to the other party(ies) for their counter comments;
- (xi) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and to this end investigations were carried out at the premises of the petitioner's head office and works;
- (xii) The Authority conducted cost investigation and worked out optimum cost of production and cost to make and sell NBR in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles so as to ascertain as to whether anti dumping duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury;
- (xiii) The investigation covered the period from 1st Oct., 1994 to 31st March, 1995;

B. PETITIONER'S VIEWS

The petitioner has made the following submissions:

1. The investigation by the Authority confirmed massive dumping of NBR from Japan, on the request filed by the petitioner, and the Govt. has imposed Anti-dumping Duty on imports from Japan;
2. Imports of NBR have been got cleared under various custom codes under Chapter 40;
3. Normal value of NBR in the domestic market in Germany was US\$ 2248 per MT against which it was exported to India at CIF US\$ 1133 per MT or ex-works US\$ 814 per MT, establishing that NBR was dumped from Germany.
4. Exporters from Korea have been dumping NBR in India since a long time. It has not been able to collect evidence showing prices in the domestic market in Korea, and requested the Authority to consider normal value based on cost of production. Normal value in Korea at US\$ 2075 per MT and export price at US\$ 882 per MT establish dumping by Korea.
5. The various factors such as increase in imports, reduction in import prices, and factors affecting the petitioner such as production, capacity utilisation, sales volume, selling prices, financial losses, etc. evidence the injury suffered by the petitioner, which was caused by the imports from Germany and Korea.
6. Dual commission was paid for exports from Korea, once to M/s. Korea Kumho & Co. (through whom the exports have been made by Korea Kumho) and again to indenting agent in India. The Authority should therefore consider 6% commission on exports from Korea for arriving at ex-works Export Price.
7. The customs duties should not be considered for working out landed cost of exports from Germany and Korea. Further, cost to customer should be considered by the Authority while arriving at the extent of injury suffered by the Domestic Industry.

C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

The exporters, importers, and a number of other interested parties have responded to the Authority and have raised a number of issues on like articles, Normal Value, Export Price, injury to the petitioner apart from a other issues. The issues in brief are as under.

a. On Like Article:

1. NBR is not an article but is a generic term for a group of articles. The term Acrylonitrile Butadiene Rubber or Nitrile Rubber is used in the rubber industry to define a class or type of NBR elastomers.
2. Technology and manufacturing process of Bayer and Apar are different. Product composition in the NBR exported by Bayer neither compares with its old product nor with the petitioner's product range. Finishing differences in Bayer NBR and Apar NBR are also of significance.
3. Both Korean NBR and Bayer NBR are neither the same product as petitioner's NBR nor Apar NBR is substitutable with German or Korean NBR.
4. NBR imported from Germany & Korea and produced by the petitioner are different in terms of quality.
5. In the light of above arguments, NBR produced by the petitioner and NBR imported from Korea and Germany are not like articles.

b. On Normal Value:

The petitioner has not furnished evidence in support of normal value in Korea. The cost of production constructed by the petitioner for Korean NBR is incorrect and inflated.

c. On Export Price:

The petitioner has furnished incorrect Export Price from Korea. The Export Price from Korea during the relevant period was US\$ 1249 per MT. Further ocean freight, insurance and other costs have been wrongly estimated by the petitioner and the same are highly inflated. Actual cost on account of ocean freight, insurance and other costs are not more than US\$ 100 per MT in case of Korea.

d. On Injury:

1. Imports of NBR do not cause a threat of material retardation to the establishment of an industry nor does it cause a threat of material injury in future.
2. Quantum of imports from Korea during the period of investigation was 205.1 MT only and not 308 MT as claimed by the petitioner. Imports from Korea have declined and the same is negligible compared to total demand of Nitrile Rubber in the Country.
3. There is sharp increase in demand of NBR in the country, and the same cannot be met with by the petitioner.
4. Production, sales quantum, stocks and selling prices of the petitioner have continuously shown improvement. The petitioner has shown turnaround and registered profits.

5. Landed value of individual imports from Germany and Korea were significantly higher than those claimed by the petitioner.
6. Part of the material imported was for re-export, where the Indian consumers of NBR have to be competitive in all respects.
7. The petitioner's claim of price erosion is not supported in the balance sheet, which suggests significantly higher selling price in the period of investigation.
8. The Authority had worked out, in the investigation relating to Japan, fair selling price for the petitioner at Rs. 86126 per MT. The petitioner is already selling NBR at Rs. 87500 per MT, and, therefore, no further relief is required for the petitioner.
9. Exports from Korea have not resulted in price undercutting in the Indian market.
10. The petitioner suffers from inherent deficiencies such as inadequate installed capacity, wrong plant location, non-availability of raw material and high cost of critical raw materials adjacent to site, inadequate range of grades, inadequate control on quality and poor raw material consumption norms, resulting in injury to the petitioner.
11. A comparison of prices of various synthetic rubbers produced in India show that the increase in prices of NBR by the petitioner were over 41% as compared to other synthetic rubbers.

e. Other Issues:

1. There is no evidence of written complaint against Korea.
2. The Authority has clubbed two petitions (from Korea and Germany), which is improper.
3. The Authority has not verified the accuracy of the information furnished by the petitioner before proceeding to initiate.
4. Governments of the exporting countries were not informed prior to the commencement of initiation of the investigation.
5. The period of investigation considered by the Authority is arbitrarily fixed and is inappropriate.
6. The Authority has not allowed extension of time limit by way of public notice to the interested parties.

D. EXAMINATION & FINDINGS BY THE AUTHORITY

1. The submissions made by the exporter, importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and have been dealt at appropriate places in these findings.
2. On the issue of clubbing of the investigation of the two countries, Rule 19 of the rules supra requires the Authority to investigate into all cases from where the article appears to be have been dumped. It is, therefore, proper to investigate imports from all such sources in a single investigation. Moreover, cumulative assessment of material injury to

the Domestic Industry is appropriate under the facts and circumstances of the case, and therefore the Authority is justified in clubbing the two countries;

3. The Authority is required to prime facie verify the adequacy and accuracy of the information furnished by the petitioner and detailed verification is a part of the investigation. The very purpose of initiation of an investigation is to verify the correctness of the allegation levelled by the petitioner.
4. As brought out above, Governments of both the countries were notified before proceeding to initiate the investigation and the contention on this account is factually incorrect.
5. The period of investigation considered by the Authority is in accordance with the rules and most appropriate as the petitioner had alleged dumping of NBR by the exporters from these countries during this period. The Authority is required to investigate the period for which the dumping allegation is made by the petitioner.
6. The rules do not prescribe extension of time by way of public notice, nor extension of time limit is obligatory on the part of the Authority. The Authority had allowed the time limits prescribed under the rules for responding to the Authority.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

1. The product considered in the present investigation is Acrylonitrile Butadiene Rubber, also known as Nitrile Rubber and NBR. NBR is mainly used for manufacturing various rubber articles, such as Oil Seals, Hoses, Automotive products, Gaskets, Rice Dehusking Rolls, Printers fabrics, Oil field products, etc. Major raw materials required for manufacturing NBR are Acrylonitrile and Butadiene.
2. The importers and exporters have contended that a number of Nitrile Rubber grades are not being produced by the petitioner. The importers and exporters have cited Hydrogenated NBR and Carboxylated NBR as examples. The petitioner has argued that in so far as imports from Korea are concerned these grades are not being produced even by Korea Kumho and both the exporters have not exported these grades to India.
3. The Authority notes that it would not be appropriate to exclude a product from the scope of the present investigation in case it has not been exported to India, as the fact of dumping can neither be proved nor disproved. It would be more appropriate for the Authority to accept a specific request by an exporter for exclusion in case it desires to export any of such grades, which are hitherto neither being exported by it nor being manufactured by the petitioner. The Authority, therefore, confirms, for the purpose of these findings, that the scope of the present findings covers all types of NBR from these countries.
4. NBR is classified under Chapter 40 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. The petitioner had alleged that imports of NBR have been cleared under Customs Codes other than that meant for Nitrile Rubber also. It is also found that Bayer has confirmed exports of 1396 MT Nitrile Rubber during the period of investigation whereas the DGCIS statistics reveal imports of 219 MT only.

F. LIKE ARTICLES

1. Definition of like article states as under:

“Like article means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation”.

- 2. Major argument of the importers/exporters, as brought out in detail above is that the product composition of Apar NBR and NBR imported from Germany and Korea is different, and Apar NBR is not substitutable with Bayer or Korea Kumho NBR.**
- 3. The argument advanced by the exporters and importers that German and Korean NBR are not substitutable with Apar NBR is not backed with sufficient evidence. Contrary to the argument on substitutability advanced by the exporters and importers, the Authority notes that various users have switched their requirement between domestic produce and overseas supplies, which clearly establish that the NBR produced by the petitioner was substituted by the NBR imported from Germany and/or Korea.**
- 4. It is also observed that all Nitrile Rubbers are copolymers of Acrylonitrile and Butadiene and serve the same general purpose of providing resistance to petroleum chemicals, though the same have different specific end applications. The Authority finds that the manufacturing process, equipments, and other facilities needed for producing different grades of NBR are common, and does not involve any special equipment to produce different grades of NBR.**
- 5. In the light of the foregoing, the Authority concludes that NBR produced by the petitioner is a like article to the NBR imported from Germany and Korea RP.**

G. DOMESTIC INDUSTRY

The petition was filed by M/s Gujarat Apar Polymer Ltd., Maker Chamber III, 1st Floor, Nariman Point, Mumbai 400 021. M/s Synthetics & Chemicals Ltd. has also created capacity to produce Nitrile Rubber. Production of the petitioner, however, accounted for the majority of the production in India and, therefore, the petitioner constitute domestic industry in accordance with Rule 2(b) supra.

H. NORMAL VALUE

- 1. Both the exporters, Bayer and Korea Khmo furnished information containing, inter alia, the following for the period of investigation for their sales in home market, exports to India and exports to Other Countries:**
 - Sales quantity and sales realisation;
 - Selling Price, Commission/discounts, Packaging, Freight & Insurance, FOB prices, charges before FOB and after ex-works and ex-works export price per unit of sales and for the quantities sold;
 - Selling price, variable cost, packaging, marginal profit per unit of sales and for the quantities sold have also been furnished by Bayer, though the exporter has not furnished details leading to cost of production and profit made from sales in each

2. Since both the exporters have furnished ex works prices for sales in the domestic market, the Authority has relied upon the same and considered normal value on the basis of weighted average ex-works selling prices in the domestic market for both the exporters. Since both the exporters have furnished ex-works selling prices, no further adjustment is required to be made in the same.
3. Rishiroop Polymers Pvt. Ltd. (Rishiroop), on behalf of Korea Kumho has claimed differences in the sales in the domestic market and exports to India. It has been claimed that the sales in the domestic market or exports to Other Countries by Korea Kumho are of all types of NBR grades and hence are not comparable to exports to India which are of single grade. The Authority notes that Korea Kumho has furnished details of selling prices in the domestic market and exports to India for the same and comparable grade i.e. KNB 35L and, therefore, the contention of Rishiroop on this account is rejected. It has been further claimed by Rishiroop that the domestic price in Korea is higher because of difference in import duty on raw materials in case of domestic sales and exports, association of technical service support and quality guarantees, and volume of sales in the two markets. The Authority, however, notes that the exporter was requested, vide the questionnaire sent to it, to furnish cost of production and profit for exports to India, sales in the home market and exports to Other Countries, in response to which the exporter has stated that the said details were not available. The contention of Rishiroop is, therefore not acceptable for want of sufficient evidence.

I. EXPORT PRICE

1. The export price has been determined on the basis of weighted average ex-works export price claimed by Bayer and Korea Kumho. Since the exporters have furnished the relevant details for working out the ex-works export price, the details furnished by the importers have not been relied upon.
2. The petitioner has contended that the exporter from Korea has paid dual commission on sales to India, once to M/s. Kumho & Co., through whom exports have been made to India and again to the Indian indenting agent, M/s. Rishiroop Polymers. It is proposed that the exporter be addressed suitably after Preliminary Findings in this regard for a consideration in the final findings.

J. COMPARISON

1. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the exporters and the best information available. The Authority has compared weighted average normal value with weighted average export price for individual exporter, which indicate the following Normal Value, Export Price and dumping margins:

	<u>US \$ per MT</u>
	Dumping Margin
Bayer AG, Germany	1367.00
Korea Kumho Petrochemical	

2. The Authority notes that the normal value and export price during the investigation period only are relevant for deciding dumping, and the current export price to India or international prices are not relevant for the purpose.

K. INJURY

1. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
2. Annexure II(iii) under rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
3. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from Germany and Korea are more than the prescribed limits. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate since the imports from Germany and Korea and supplies from the petitioner are directly competing in the Indian market.
4. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

a. Volume and Market Share of Dumped Imports

Total imports of Nitrile Rubber in India increased from 3109 MT in 1992-93 to 5633 MT in 1993-94 and 4639 MT during the six month period of investigation. Imports from Germany and Korea increased from 883 MT (1993) to 2167 MT (1994) and were 1619 MT during the period of investigation. The Authority notes that imports from Germany and Korea increased in absolute terms during the period of investigation. The share of the two countries in the total imports of NBR in India, as a consequence, increased from 11% (1993-94) to 35% during the period of investigation.

- Market share of Germany and Korea in the total consumption of NBR in India rose from 8% (1993-94) to 27% during the period of investigation.

b. Production and Capacity Utilisation

Production of NBR of the Domestic Industry increased from 2178 MT (1992-93) to 2380 MT (1993-94) and was 1573.210 MT during the period of investigation. The Authority, however, notes that the petitioner has been forced to produce non-NBR items (which otherwise does not require such plant & machinery as are available with the petitioner) and the utilisation of capacity in so far as NBR is concerned is still far lower than the capacities created.

c. Sales in Absolute Quantity

Sales of the Domestic Industry in absolute terms increased from 1916 MT(1992-93) to 2271 MT (1993-94) and were 1427.670 MT during the period of investigation. The market share of the petitioner declined by 6% during the period of investigation as compared to 1993-94.

d. Selling Price Trend

Average net realisation per MT of sales (after excluding excise duty and discounts) were Rs. 61793 (1992-93), Rs. 58592 (1993-94) and Rs. 65406 (during the period of investigation). The reduction in custom duty coupled with decline in the CIF import prices from both the countries forced the Domestic Industry to sell NBR at unremunerative prices significantly below the Cost of Production.

e. Stock

Stock of the petitioners during the period of investigation ranged between 199 MT to 461 MT.

f. Profit/Loss

The petitioner has suffered financial losses from sale of NBR at prices lower than the cost of production. The Authority notes that even though the petitioner has reported profits in its published annual accounts, the same is because of sale of non-NBR items and transfer of business of M/s. Apar Ltd. In so far as its NBR operations are concerned the same are in losses.

g. Conclusion on Injury:

The Authority concludes that:

- The circumstances warrant consideration of injury on cumulative basis for imports from both the countries;
- The imports of NBR have increased in absolute terms from the two countries during the period of investigation;
- The share of Germany and Korea in the total demand in the country increased significantly during the investigation period.
- Exports from Germany and Korea forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels, and prevented the domestic industry from recovering its full cost of production, resulting in losses to the Domestic Industry.

- Various indicators relating to domestic industry such as production, capacity utilisation, sales quantities, average sales realisation, stock, losses collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury, even though some of the parameter have shown improvement.

The Authority is thus led to the inescapable conclusion that the domestic industry has suffered material injury.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

1. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
2. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using NBR and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of NBR. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from Germany and Korea in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or more sources of supply.
3. To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon reasonable selling price of NBR in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.
4. Injury caused to the domestic industry from factors other than dumping, if any, have not been considered while recommending the amount of Anti Dumping Duty necessary to remove the injury to the domestic industry caused by dumped imports.
5. The reduction in custom duties does not affect the dumping per se. In so far as the injury is concerned, the Authority has calculated the level of injury being faced by the domestic industry after considering the custom duties prevailing during the period of investigation.
6. The Authority notes that the demand of NBR in India is more than the capacities available within the country. However, the Authority does not recommend restriction on imports or supplies from any particular source, and therefore, availability of NBR to the consumers would not be affected in the event of imposition of Anti-dumping Duty.
7. **Landed Value:** Since Bayer has furnished landed values of exports to India, which have been supplied to it by the indenting agent, i.e., Bayer India Ltd., the Authority has worked out the weighted average landed value on the basis of the same. In case of imports from Korea Kumho, the exporter has furnished transaction wise import details and has not furnished landed value. The Authority has, therefore, worked out landed value on the basis of weighed average CIF Export Price furnished by the exporter and

M. CONCLUSIONS

1. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:
 - NBR originating in or exported from Germany and Korea has been exported to India below its normal value, resulting in dumping by these exporters;
 - the Domestic Industry has suffered material injury;
 - the injury has been caused cumulatively by the imports from Germany and Korea.
2. The Authority considers it necessary to impose anti dumping duties provisionally, pending final determination, on all imports of NBR originating in or exported from Germany and Korea in order to remove material injury to the domestic industry, pending investigation.
3. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. The weighted average landed price of the imports for each exporter, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of NBR, falling under Chapter 40 of the Customs Tariff, originating in or exported from Germany and Korea, pending final determination.

S. No.	Name of the Exporter	Amount of Duty (Rs. per MT)
1.	<u>Country of Origin : Germany</u>	
	• Bayer AG, Germany	11557
	• Exporters other than above	11557
2.	<u>Country of Origin : Republic of Korea</u>	
	• Korea Kumho Petrochemical Co. Ltd.	8975
	• Exporters other than above	8975

The known exporters, importers, petitioner, and other interested parties are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority and Addl. Secy.